



**MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY
OF JOURNALISM AND COMMUNICATION**

// UNIVERSITY LIBRARY //

-. NEWS CLIPPING SERVICE -.

DATE :- 08 OCTOBER, 2026

टेडेक्स टाक में विचारों से बदलती दुनिया पर हुआ संवाद

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 6 से 8 अक्टूबर तक 'आइडियाज द शेप अवर वर्ल्ड' (विचारों से बदलती दुनिया) विषय पर तीन दिवसीय टेडेक्स टाक का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें आध्यात्मिक चिंतक स्वामिनी सदविद्यानंद सरस्वती, वरिष्ठ चिकित्सक डा. प्रिया भावे चित्तावर, मोटिवेशनल स्पीकर राजीव अग्रवाल व डा. रितु शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व लेखक मनोज श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार डा. ब्रजेश राजपूत व मनीष दीक्षित, प्रो. दिवाकर शुक्ला और कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में डा. ब्रजेश राजपूत ने 'एक स्क्रीन, करोड़ों कहानियां' विषय पर टीवी पत्रकारिता के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि पत्रकार के पास संवेदनशील और सच्ची कहानियां होती हैं, लेकिन उन्हें प्रभावी



कार्यक्रम को संबोधित करते डा. ब्रजेश राजपूत। • सौजन्य: आयोजक

ढंग से कहने का सलीका आना चाहिए। उन्होंने दुष्यंत कुमार के घर, बुंदेलखंड की बिल्लोरानी, झाड़ी में मिली नवजात बच्ची और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी स्लोटों के अनुभव भी साझा किए।

एमसीयू में टेड टॉक का दूसरा दिन : भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा बेहद समृद्ध : शुक्ला

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में टेड टॉक के दूसरे दिन पत्रकारिता, भारतीय संस्कृति और टेलिमेडिसिन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रो. दिवाकर शुक्ला ने 'इंडियन आर्ट ऑफ स्टोरीटेलिंग' विषय पर कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा बेहद समृद्ध है। रामायण, महाभारत, लोककला और जनजातीय संस्कृति में कहानियों की समृद्ध परंपरा मौजूद है। 'सर्जरी विदाउट बॉर्डर्स' विषय पर डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने कहा कि



संचार तकनीक से दूरदराज के गांवों और कस्बों में भी विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रोबोटिक सर्जरी और टेलीसर्जरी इसके उदाहरण हैं, हालांकि डॉक्टर के अनुभव और निर्णय क्षमता का स्थान तकनीक नहीं ले सकती।

वरिष्ठ पत्रकार मनीष दीक्षित ने

विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकार को सीटीसी के बजाय क्यूरियोसिटी से काम करना चाहिए। खबर के तथ्यों की कई स्तरों पर पुष्टि, स्रोतों का सम्मान और दस्तावेज सुरक्षित रखना जरूरी है।

मुख्य वक्ता विस्तार न्यूज के ग्रुप एडिटर ब्रजेश राजपूत ने 'एक स्क्रीन करोड़ों कहानियां' विषय पर अपनी टेलिविजन पत्रकारिता की मार्मिक और प्रभावशाली संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि टीवी पत्रकारिता करते हुए हम हर दिन कई कहानियों से रू-ब-रू होते हैं। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने आयोजन को अनुकरणीय बताया।

टेलीकम्युनिकेशन से सुदूर गांवों में भी बेहतर इलाज संभव : डॉ. प्रिया भावे

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित टेड टॉक के दूसरे दिन पत्रकारिता, टेलीमेडिसिन और भारतीय कला एवं ज्ञान परंपरा जैसे विषयों पर संवाद हुआ। टेलीमेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चिन्तावर ने 'सर्जरी विदाउट बॉर्डर' विषय पर कहा कि टेलीकम्युनिकेशन तकनीक से दूर-दराज के गांवों और कस्बों में भी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उन्होंने टेलीसर्जरी और चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे आधुनिक बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तकनीक डॉक्टर के अनुभव, विवेक और निर्णय क्षमता का स्थान नहीं ले सकती।



दूसरे सत्र में प्रो. दिवाकर शुक्ला ने 'डिजिटल आर्ट ऑफ स्टोरी टेलिंग' विषय पर कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा बेहद समृद्ध है। भारत में कहानी कहने के हजारों तरीके हैं। रंगोली, अल्पना, लोककला और जनजातीय संस्कृति में भी अनेक कहानियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत की कथाओं में अनेक कहानियां समाहित हैं और इनके विभिन्न रूप भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में मौजूद हैं।

ग्रिफ्ट पत्रकार मनीष दीक्षित ने 'सच की तलाश में एक रिपोर्टर की जिम्मेदारी' विषय पर पत्रकारिता में तथ्यों की पुष्टि और स्रोतों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकार को खबरों की गहन जांच करनी चाहिए और संबंधित दस्तावेज अपने पास रखने चाहिए। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों से कहा कि ये येलन के बजाय जिज्ञासा पर काम करें और अच्छी स्टोरी पर धैर्य से मेहनत करें।

**NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
DAINIK NAIDUNIA 08-10-2026**

एमसीयू में टेड टॉक के दूसरे दिन पत्रकारिता व टेलिमेडिसिन पर संवाद दूरसंचार से सुदूर गांवों में भी बेहतर इलाज हुआ संभव : डॉ. प्रिया भावे चित्तावर

भारतीय संस्कृति और
ज्ञानपरंपरा बहुत समृद्धः
प्रो. दिवाकर शुक्ला

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से अब चिकित्सा जगत में कई चमत्कार किए जा रहे हैं। अब छोटे से गांवों और कस्बों में भी अच्छे चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध हैं। दूर-दराज के इलाकों से लोगों को बीमारियों के इलाज के लिए, हजारों किलोमीटर दूर जाने की जरूरत नहीं है। शहर में बैठे-बैठे रोबोटिक सर्जन अपनी गांवों तक विशेषज्ञता का लाभ दे रहे हैं। एमसीयू में आयोजित टेड टॉक में बुधवार को विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने उक्त बातें कहीं। डॉक्टर भावे ने सर्जरी विडाउट बॉर्डर विषय पर दिए अपने उद्घोषण में कई दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने विश्व की पहली टेलीसर्जरी से लेकर अब भारत में चिकित्सा जगत में हो रहे आधुनिकतम बदलाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम कितने ही आगे बढ़ जाएं लेकिन एक डॉक्टर के अनुभव, विवेक और सर्जरी के समय निर्णय लेने की क्षमता का स्थान टेक्नोलॉजी नहीं ले सकती फिर भी जो कुछ रोबोटिक काम भारत में हो रहा है वह अचरज के साथ गर्व का भी विषय है। उन्होंने उदाहरण दिया कि अगर दूरस्थ सीमा पर हमारा कोई सैनिक घायल हो जाए, जहाँ तुरंत और तत्काल डॉक्टर नहीं पहुँच सकता है तो ड्रोन



कैमरा के माध्यम से सर्जरी संभव है। डॉ. प्रिया ने श्रोताओं में शामिल छात्रों की जिज्ञासा भी शांत की। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अब डॉक्टर भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़कर मरीज को सरल शब्दों में ट्रीटमेंट और टरमिनोलॉजी आदि की जानकारी दे रहे हैं लेकिन मरीज की भी जिम्मेदारी है कि वह चिकित्सा शब्दावली को जानने का प्रयास करें क्योंकि एआई के माध्यम से अब सब कुछ जानना आसान हो गया है। इस कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने इंडियन आर्टऑफ स्टोरी टेलिंग विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी कहानी को कहने के लिए बहुत से ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती। भारत में स्टोरी टेलिंग के हजारों तरीके हैं। हम भारतीय कहानियों को अपने जीवन में जीते हैं। ये कहानियाँ कभी खत्म नहीं होती। यहां के लोग, उनकी संस्कृति और कला में हजारों कहानियाँ मिलती हैं। भारतीय घरों में रोज बनाए जाने वाली रंगोली या अल्पना में भी कहानियाँ होती

हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कहानियाँ बहुत प्रासंगिक होती हैं। भारत की कलाओं के जो पैटर्न हमें मिलते हैं उनकी अपनी एक विशिष्ट ऐतिहासिक श्रृंखला होती है। वर्ली आर्ट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गौर से देखने पर मालूम होता है कि उसमें मानवीय जीवन की गतिविधियाँ और प्रकृति की नैसर्गिकता दिखती हैं। उसमें दिखने वाली परंपराएं और प्रतीक लोक कलाकारों और महिलाओं द्वारा बनाए जाते हैं।

बहुत प्रयत्नों के बाद रिपोर्टर के पास आती है खबर



एक अन्य सत्र में वरिष्ठ पत्रकार मनीष दीक्षित ने सच की तलाश में एक रिपोर्टर की जिम्मेदारी विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी पत्रकार तक कोई खबर पत्रकार तक चलकर नहीं आती है। खबर के लिए बहुत प्रयत्न करने होते हैं। याद रखें कि अगर कोई खबर अगर आप तक खुद चलकर आती है तो भी उसे जांचें और उसके तथ्यों को गहराई से वेरीफाई करें। हम जिस विषय पर खबर करना चाहते हैं उससे जुड़ी प्रक्रियाओं को गहराई से समझना आवश्यक होता है। बिना तथ्यों और प्रक्रियाओं को समझे खबर करने से हमारी और हमारे संस्थान की साख दांव पर लग जाती है। पत्रकारिता में सूत्रों का खासा महत्व है। इसलिए एक पत्रकार को अपने सोर्स का खयाल रखना चाहिए उनका दिल जीतना चाहिए। सोर्स कोई भी छोटा या बड़ा नहीं होता। सोर्स लगातार डेवलप करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार को लगातार काम करना चाहिए और अलग-अलग टूल्स का इस्तेमाल सीखना चाहिए। कई बार उसे सवाल पूछने के तरीकों पर भी गौर

टेड टॉक जैसा नवाचार अनुकरणीय



इस अवसर पर विश्वविद्यालय में टेड टॉक के आयोजन पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विभाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह एक इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म के साथ जुड़कर इस तरह का नवाचार अनुकरणीय है। कार्यक्रम में कुलसचिव पी. शशिकला ने स्वागत उद्घोषण दिया। कार्यक्रम में सूत्रों का संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया। इस अवसर पर विभागों के प्रमुख, सहित प्राध्यापक भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन एवं अतिथियों का आभार विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख डा. पवित्र श्रीवास्तव ने किया।

Bhopal Main-Edition Edition
Oct 08, 2026 Page No. 3
Powered by: erelego.com

कैम्पस अपडेट

एमसीयू टेड टॉक में टेलिमेडिसिन और स्टोरी टेलिंग पर हुआ संवाद

भोपाल। एमसीयू में टेड टॉक के दूसरे दिन टेलिमेडिसिन, स्टोरी टेलिंग और पत्रकारिता पर संवाद हुआ। सत्र की विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने कहा कि टेलिकम्युनिकेशन के जरिए छोटे गांवों और कस्बों तक भी विशेषज्ञ इलाज पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि रोबोटिक सर्जरी और टेलीसर्जरी ने चिकित्सा की पहुंच बढ़ाई है, हालांकि डॉक्टर के अनुभव और निर्णय क्षमता का स्थान तकनीक नहीं ले सकती। उन्होंने उदाहरण दिया कि दूरस्थ सीमा

पर घायल सैनिक के लिए ड्रोन कैमरे से मदद मिल सकती है। प्रो. दिवाकर शुक्ला ने भारतीय कला और संस्कृति को कथा परंपरा का बड़ा आधार बताते हुए कहा कि कहानी कृत्रिम नहीं, सच्ची और स्वाभाविक होनी चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार मनीष दीक्षित ने कहा कि खबरें खुद नहीं आतीं, रिपोर्टर को तथ्य जांच, स्रोत और टूल्स पर लगातार काम करना चाहिए, और सीटीसी नहीं, जिज्ञासा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एमसीयू में टेड टॉक : पत्रकार सीटीसी के बजाए क्यूरोसिटी से करें काम

पीपुल्स समाचार के स्टेट एडिटर मनीष दीक्षित ने रखे विचार, अन्य विषयों पर भी हुआ संवाद

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल

editor@peoplesamachar.co.in

किसी भी पत्रकार तक कोई खबर चलकर नहीं आती है। उसके लिए बहुत प्रयत्न करने होते हैं। अगर कोई खबर आप तक खुद चलकर आती है तो उसे जांचें और तथ्यों को गहराई से वेरीफाई करें।

यह विचार पीपुल्स समाचार के स्टेट एडिटर एवं वरिष्ठ पत्रकार मनीष दीक्षित ने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) में टेड टॉक में बुधवार को कार्यक्रम में 'सच की तलाश में एक रिपोर्टर की जिम्मेदारी' विषय पर बोलते हुए रखे। पत्रकारिता के विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकार को सीटीसी के बजाय क्यूरोसिटी पर



वरिष्ठ पत्रकार मनीष दीक्षित।

काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जिस विषय पर खबर करना चाहते हैं उससे जुड़ी प्रक्रियाओं को गहराई से समझना जरूरी है। बिना तथ्यों और प्रक्रिया को समझे खबर करने से हमारी और हमारे संस्थान



विशेषज्ञ डॉक्टर प्रियाभावेचितावार।

की साख दांव पर लग जाती है। सूत्रों का पत्रकारिता में खासा महत्व है। इसलिए पत्रकार को सोर्स खयाल रख दिल जीतना चाहिए। सोर्स छोटा या बड़ा नहीं होता। उसे लगातार डेवलप करना चाहिए।



कहानीकार प्रो. दिवाकर शुक्ला।

पत्रकारिता के टूल्स सीखें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि खबरों के तथ्यों की पुष्टि के लिए क्रॉस चेक करना चाहिए। ऐसी खबरें जरूर करें जो आपको याद रहें या वह आपकी यादगार स्टोरी बनें।

टेलिकम्युनिकेशन से सुदूरगावों में भी बेहतर इलाज: इसके पहले सत्र में विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चितावार ने 'सर्जरी विदाउट बोर्डर' पर कहा कि कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजी से छोटे से गांवों और कस्बों में अच्छे चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध हैं। शहर में बैठे रोबोटिक सर्जन विशेषज्ञता का लाभ दे रहे हैं। प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने इंडियन आर्ट ऑफ स्टोरी टेलिंग विषय पर बोलते हुए कहा कि किसी भी कहानी को कहने के लिए बहुत से ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती। भारत में स्टोरी टेलिंग के हजारों तरीके हैं। कुलमुरु विजय मनोहर तिवारी ने टेड टॉक आयोजन पर कहा कि इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म के साथ जुड़कर इस तरह का नवाचार अनुकरणीय है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
PEOPLES SAMACHAR 08-10-2026